

---

# Shri Ganga Kavacham

श्रीगङ्गाकवचम्

## Document Information

---

Text title : Gangakavacha 4

File name : gangAkavacham4.itx

Category : devii, nadI, kavacha, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Description-comments : Vishnuyamala tantra

Latest update : August 28, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 28, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Ganga Kavacham

---

### श्रीगङ्गाकवचम्

---



ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

ॐ गङ्गायै नमः ।

विनियोगः -

गङ्गाकवचस्य विष्णुरुषिविराट्छन्दः

यत्तुर्दश पुरुष उद्धारणार्थं पाठे विनियोगः ।

ॐ द्रव्यरूपा महाभागा स्नाने य तर्पणोऽपि य ।

अभिषेके पूजने य पातु मां शुक्लरुपिणी ॥ १ ॥

विष्णुपादप्रसूतासि वैष्णवी नामधारिणी ।

पात्रि मां सर्वतो रक्षेद्गङ्गा त्रिपथगामिनी ॥ २ ॥

मन्दाकिनी सदा पातु द्देलान्ते स्वर्गवल्लभा ।

अलकनन्दा य वामभागे पृथिव्यां या तु तिष्ठति ॥ ३ ॥

भोगवती य पाताले स्वर्गे मन्दाकिनी तथा ।

पञ्चाक्षरमिमं मन्त्रं यः पठेच्छृणुयादपि ॥ ४ ॥

रोगी रोगात्प्रमुञ्च्येत्स्रग्भङ्गो मुञ्च्येत् सन्धनात् ।

गुर्विणी जनयेत् पुत्रं वन्ध्या पुत्रवती लभेत् ॥ ५ ॥

गङ्गास्मरणमात्रेण निष्पापो जायते नरः ।

यः पठेद्गङ्गामध्ये तु गङ्गास्नानकृतं लभेत् ॥ ६ ॥

स्नानकाले पठेद्यस्तु शतकोटिकृतं लभेत् ।

यः पठेत्प्रयतो लक्ष्म्या मुक्तः कोटिकुलैः सह ॥ ७ ॥

॥ इति श्रीविष्णुयामले शिवपार्वतीसंवादे गङ्गाकवचं सम्पूर्णम् ।

---

*Shri Ganga Kavacham*

pdf was typeset on August 28, 2020

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

